## राजस्व विभाग

## युद्ध जागीर

#### दिनांक 26 मई, 1997

क्रमांक 1233- ज-2-97/9826. ---श्री लच्छू राम, पुत्र वृद्ध राम, निवासी गांव पुरखास राठी, तहसील गन्नीर, जिला सोनीपत को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधि नियम, 1948 की घारा 2(ए), (१ए) तथा 3(१ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 416-ज-1-86/14749, दिनांक 15 मई, 1986 द्वारा 150 रु० वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अवत्वर, 1979 द्वारा 300 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त, 1993 द्वारा 300 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये वार्षिक दर से जागीर मन्जूर की गई थी।

2. अब श्री तच्छू राम की दिनांक 8 जनवरी, 1996 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधि नियम (जैसा कि एसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, इस जागीर को श्री लच्छू राम की विद्यवा श्रीमती शान्ति देवी के नाम खरीफ, 1996 से 1,000 स्पर्व वाविक की दर से सनद में वी गई शर्तों के अन्तर्गत तबवील करते हैं।

## दिनांक 29 मई, 1997

क्रमांकः 1094-ज-2-97/10137.---श्री दलीप सिंह, पुत्र श्री नेत राम, निवासी गांव सिलामी, तहसील झज्जर, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार श्रीधिन्द्रम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) के श्रधीन सरकार की श्रीधसूचना क्रमांक 443-ज-2-79/17147, दिनांक 11 श्रील, 1979 द्वारा 100 रु० वार्षिक श्रीर बाद में श्रीधसूचना क्रमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुषथे वार्षिक श्रीर उसके बांद श्रीधसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रु० से ब्हाकर 300 रु० वार्षिक तथा श्रीधसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 ग्रागस्त, 1993 द्वारा 1,000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गईथी।

2. प्रव श्री दलीप सिंह की दिनांक 10 अर्थन, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त प्रीवित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनारा गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, इस जागीर को श्री दलीप सिंह की विधवा श्रीमती लक्षमी देवी के नाम खरीफ, 1995 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में वी गई शतों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

# दिनांक 2 जून, 1997

क मांक 1125-ज-2-97/10328.— श्री दया सिंह, पुत्र श्री झण्डा सिंह, निवासी गांव ठरवा, तहसील श्रम्वाला, जिला श्रम्वाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रिष्टानियम, 1948 की धारा 2(ए), (1 ए) तथा 3 (१ए) के श्रधीन सर कार की श्रिष्टसूचना त्रमांक 1542-ज-(1)-75/22244, दिनांक 30 जुलाई, 1975 द्वारा 100 रुपये वार्षिक भीर बाद में श्रिष्टसूचना त्रमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रष्टिसूचना त्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूवर, 1979 द्वारा 300 रुपये और उसके बाद में श्रष्टिसूचना कमांक 2944-ज-2-93/115918, दिनांक 26 श्रगस्त, 1993 द्वारा 1,000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मन्जूर की गई थी।

2. ६व श्री दया सिंह की दिनांक 30 अन्तूबर, 1993 को हुई मृत्युके परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रीविनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शिहित्यों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री दया सिंह की विधवा श्रीमती बलवंत कौर के नाम रबी, 1994 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबवील करते हैं।

(हस्ताक्षर) . . , ,

श्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, ▲ राजस्य विभाग।